आज का पुरुषार्थ, 3 May 2022

From: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" समय बहुत थोड़ा है, तो अब अपने चलन से साक्षात्कार कराने की सेवा करें ताकि देवकुल की सभी आत्मायें बाबा के करीब आ पायें "*

यह **सृष्टि चक्र** चलते चलते अब वहीं पहुँच रहा है जहाँ से प्रारम्भ हुआ था। चारों युगों का चक्र सदा ही घूमता है। **यह सृष्टि अनादि अविनाशी है।**

अब कलियुग के अंत पर हम आ पहुंचे है। महाविनाश की तैयारी पूरी हो रही है। हम देख भी रहे है, विश्व युद्ध की नींव बड़े पावरफूल ढंग से बढ़ती जा रही है। सभी को जिज्ञासा होती है अब क्या क्या होगा?

अब पहले **रोग** बहुत बढ़ रहे है। **मानसिक** रोगों का टर्न है। अनेक आत्मायें सजायें बहुत खायेंगे। जिसने जो पाप कर्म किये वह **फल** सभी को मिलेगा। चाहे वो किसी भी धर्म का क्यों न हो।

मनोविकार बहुत बढ़ रहे है। और **गृहयुद्ध** भी सब देशों में बहुत होंगे। संसार उनमें पिषता जायेगा।

मोह बहुत कष्टदायी होगा। मोह के कारण अनेक लोग मानसिक रोगों से त्रस्त होते जायेंगे। अंत में विश्वयुद्ध होगा। **एटोमिक एनर्जी** से सबकुछ नष्ट हो जायेगा।

बहुत थोड़े लोग बच जायेंगे। लास्ट में आये हुए ब्राह्मण आत्मायें, जो अभी अभी **परमधाम** से आ रहे है तो वो आत्मायें, और कलियुग के भी थोड़ी आत्मायें जो विशेष रूप से **सतयुग का निर्माण करेंगे।** Physical निर्माण भी तो करना है ना?

प्रकृति प्रकोप बहुत होंगे, सागर उछलेगा। सब बदल जायेगा। **Locations** बदल जायेंगे। साथ में **चाँद सूर्य तारें सब बदल जायेंगे।**

बहुत बड़ा परिवर्तन विश्व का होने जा रहा है। उसको देखना सबकी बस के बात नहीं होगी। केवल विनाश ही नहीं होगा, परिवर्तन भी जबरदस्त होगा।

सबकुछ बदल जायेगा। यह प्रकृति भी पूरी तरह से **सतोप्रधान** बन जायेंगी। जो लोग बचेंगे वो लोग सतयुग का निर्माण करेंगे। और श्रीकृष्ण की आत्मा उस घर में होगा जहाँ जीत होगी।

जो भारत का अंतिम सम्राट होगा। भारत की ही जीत होगी। भारत का ही अंतिम सम्राट होगा, **जिनके घर में श्रीकृष्ण का जन्म होगा।** और यह रह जो राज है वह देवताओं में ट्रांसफर हो जायेगा।

तो एक बहुत बड़ी प्रक्रिया इस संसार में होने जा रहा है। जिसका अंदाज लोगों को नहीं है। लोग तो कहते रहते है **स्वर्णिम युग आयेगा, सतयुग आयेगा।**

पर उसके पहले क्या क्या होगा, और सतयुग की पहले से ही तैयारी हो रही है, भगवान के द्वारा। क्योंकि यह कार्य केवल **परमात्मा** का ही है।

यह कार्य मनुष्य का होता ही नहीं है। कोई भी मनुष्य यह महान कार्य कर ही नहीं सकता।

इसलिए अब देवकुल की जो महान आत्मायें थी, जो नौ-दस लाख आत्मायें अब कलियुग में आ गये है, उन सभी को अब **ज्ञान और योग** सिखाकर अब परमपिता परमात्मा उन्हें लायक बना रहे है।

यह कोई हठयोग नहीं है, जो आज कर लो और कल योगा समझ लिया, नहीं। **राजयोग अर्थात भगवान से कनेक्शन जोड़ना।** जिससे आत्मायें पवित्र बन रही है। उनके अंदर का देवत्व फिर से जागृत हो रहा है। और वही आत्मायें सतयुग में देवता कहलायेंगी।

लेकिन उसके पहले सभी आत्माओं को अपने घर परमधाम जाना होगा। सब जायेंगे। **शिव बाबा** सबको लेकर जायेंगे। और रावण यानी जो पाँच विकारों के वंशज है वह सब भी परमधाम में जायेंगे।

लेकिन जाने से पहले सबको **पावन** बनना पड़ेगा। इसलिए भगवान ने **पवित्र** बनने का संदेश दिया है।

"पवित्र बनो, राजयोगी बनो।"

राजयोग के विना कोई **पवित्र** बन नहीं सकता। और ऐसी आत्मायें ही अब पिता के नाम रोशन करेंगी। वो सम्पूर्ण पावन बन जायेंगी। उनके द्वारा ही साक्षात्कार होगा।

और इस कारण **देवकुल** के जो भी आत्मायें है वो सब खींच खींच कर शिवबाबा के पास आने लगेंगी।

तो समय को पहचानते हुए हम अपनी स्थिति को अब महान बनायें।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org